

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़

वार्षिक विवरण (सत्र 2020-21)

सन् 1971 में बल्लबगढ़ व आस-पड़ोस के युवक युवतियों की उच्च शिक्षा की ज़रूरत को पूरा करने के लिए कुछ प्रबुद्ध-समाजसेवियों ने अग्रवाल महाविद्यालय की नींव रखी। अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा (रजि.), बल्लबगढ़ की स्थापना सन् 1945 में हुई। वस्तुतः सन् 1919 में अनौपचारिक रूप से इसकी नींव रखी गई थी। जहाँ एक वृक्ष के नीचे मुंडी भाषा सिखलाई जाती थी। सन् 1919 से 1945 तक आते आते इस सभा ने एक विशाल वट वृक्ष का रूप धारण कर लिया। अग्रवाल सभा ने इसी वर्ष अपनी स्थापना के 101 वर्ष पूरे कर इस क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित किया है। इस सभा द्वारा संचालित इस महाविद्यालय के अतिरिक्त एक अग्रवाल शिक्षण महाविद्यालय तथा चार अन्य स्कूल भी हैं जिनमें 10846 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के उदारमना सदस्यों ने गरीब विद्यार्थियों, जोकि फीस देने में असमर्थ हैं, की सहायता सत्र 2020-21 में 2,02,20,400/- रुपये की धनराशि का योगदान दिया है जो कि अपने आप में एक श्रेष्ठ मिसाल है। विगत चार वर्ष से प्रबन्ध समिति ने दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए "समर्थ योजना" की शुरुआत की है, जिसमें उनके लिए फीस माफी, छात्रवृत्ति एवं पुस्तकों की व्यवस्था की जाती है।

विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम, समय-सारिणी, परीक्षा-परिणाम, छात्रवृत्ति आदि अन्य आवश्यक सूचनाएँ प्रदान करने के लिए महाविद्यालय की वेब साइट, पोर्टल और अपना यू-ट्यूब चैनल है।

हमारे महाविद्यालय में 4106 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं जिनमें से 2079 छात्र और 2027 छात्राएँ हैं। इनके सर्वांगीण विकास के लिए कुल 28 कोर्स चलाए जा रहे हैं जिनमें 08 स्नातकोत्तर, 07 स्नातक स्तर के, 5 ऑनर्स, 06 Add-on Course व 02 बी.वॉक कोर्स हैं। इनके अतिरिक्त विद्यार्थियों को अतिरिक्त ज्ञान देने के लिए 38 सर्टिफिकेट कोर्स भी चलाए जा रहे हैं। महाविद्यालय के पास अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त तीन पुस्तकालय हैं, जिनमें 121116 पुस्तकें, 98 जर्नल तथा 33 दैनिक समाचार पत्र उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय E-books of Pearson Publication, E-Journals तथा N-List (INFLIBNET) DELNET का भी सदस्य है। 698 कम्प्यूटरों से युक्त 12 कम्प्यूटर लैब, रिटेल लैब, लैंग्वेज लैब, मीडिया सेंटर, रसायन व भौतिक शास्त्र की प्रयोगशालाएँ तथा इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में Audio-Visual Rooms, आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित दो सभागार भी उपलब्ध हैं। जिनके द्वारा विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कर उन्हें सक्षम बनाया जाता है। महाविद्यालय के तीनों संभाग वाई-फाई तथा इन्टरनेट से युक्त हैं। कक्षाओं में स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षित किया जाता है। हमारे लगभग सभी अध्यापक शिक्षण को प्रभावशाली बनाने के लिए ICT का प्रयोग करते हैं। इस सत्र से हमने Flipped कक्षाओं का भी शुभारम्भ किया है जिसमें प्राध्यापक अपने-अपने विषय पर व्याख्यान रिकार्ड कर कॉलेज के Youtube Channel पर डालते हैं जिससे विद्यार्थी कक्षा में आने से पूर्व विषय की जानकारी प्राप्त कर लेते हैं। इसी प्रकार लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम को (LMS) भी उपयोग में लाते हैं।

महाविद्यालय के परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की तुलना में सदैव घनात्मक रहते हैं एवं हमारे अनेक विद्यार्थी विश्वविद्यालय की मैरिटलिस्ट में प्रथम स्थान की प्राप्त करते हैं। महाविद्यालय में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए अनेक फोरम, क्लब व विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। एन.सी.सी., एन.एस.एस., महिला प्रकोष्ठ, पर्यावरण व उर्जा संरक्षण क्लब, कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ, योग क्लब सामाजिक विज्ञान मंच, इन्टैक क्लब,

हिन्दी साहित्य परिषद, स्वच्छता सेनानी, युवा रैड क्रॉस, संगीत, विज्ञान, रैड रिबन क्लब, अंग्रेजी, गणित, खेल, कम्प्यूटर, अर्थशास्त्र वाणिज्य व प्रबन्ध आदि विषयों से सम्बन्धित फोरम क्लब विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर अपने-अपने क्षेत्र के विशिष्ट-विद्वानों की वार्ताएँ, प्रश्नोत्तरी, भाषण व ज्ञानोपयोगी कार्यक्रम करवाते रहते हैं। इन से संबंधित विद्यार्थी अन्य महाविद्यालयों में आयोजित प्रतियोगिताओं में भी भाग लेकर विशिष्ट स्थान प्राप्त करते हैं।

महाविद्यालय में गणतन्त्र दिवस, स्वतन्त्रता दिवस, संविधान दिवस, वन-महोत्सव, मातृभाषा दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, युवा दिवस, महिला दिवस, जल संरक्षण दिवस, पृथ्वी दिवस, महाराणा प्रताप, वीर शिवाजी, सरोजिनी नायडू, महर्षि दयानन्द, सुभाष चन्द्र बोस तथा स्वामी विवेकानन्द व महाराजा अग्रसेन आदि अनेक महापुरुषों की जयन्तियाँ मनाई जाती हैं ताकि विद्यार्थी अपनी श्रेष्ठ प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति तथा राष्ट्रीय-गौरव के महत्व को समझते हुए उस पर गौरवान्वित हो सकें।

हमारे महाविद्यालय के भूतपूर्व विद्यार्थी शहीद श्री जयभगवान शर्मा जी की पुण्य स्मृति में महाविद्यालय प्रांगण में ही शहीद स्मारक बनाया गया है। दिनांक 02.12.1995 को उग्रवादियों द्वारा घात लगाकर किये गये हमले का मुकाबला करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। उनके बलिदान दिवस को प्रतिवर्ष स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है।

इसके अतिरिक्त कॉलेज में विद्यार्थियों द्वारा रैली आदि के माध्यम से पर्यावरण स्वच्छता, नारी सशक्तिकरण, साक्षरता, जल-संरक्षण, नशा-मुक्ति, बेटे बचाओ बेटे पढ़ाओ, दहेज प्रथा आदि ज्वलन्त सामाजिक विषयों पर सकारात्मक कार्य किया जा रहा है ताकि समाज को कुरीति मुक्त तथा समरसता युक्त बनाया जा सके। यूनिवर्सिटी आऊटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय ने चंदावली गाँव को गोद लेकर उसमें स्वच्छता, साक्षरता, चिकित्सा, पर्यावरण, ऊर्जा व जल-संरक्षण के प्रति जागरूकता के साथ-साथ रक्त दान शिविर और स्वास्थ्य जाँच शिविर भी आयोजित किए हैं। ग्रामीण महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए सिलाई मशीन और कम्प्यूटर भी प्रदान किए गए हैं।

महाविद्यालय पर्यावरण के प्रति विशेष संवेदनशील है, इसलिए प्रत्येक महीने के पहले सोमवार को "हरित दिवस" के रूप में मनाया जाता है और उस दिन महाविद्यालय प्रांगण वाहन मुक्त रहता है। इसके अतिरिक्त इस "पहल" को आगे बढ़ाने के लिए "पर्यावरण मैत्री पुरस्कार" भी घोषित किया गया है कि जो सबसे अधिक दिन साइकिल पर आएगा उसे 2100 रु नकद राशि इनाम के रूप में दी जाएगी। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में रसायन शास्त्र विभाग द्वारा Waste Water Treatment Plant लगाया गया है और उपचारित जल हरबल गार्डन सिंचाई के काम आता है। महाविद्यालय में दो Vermi Compost Unit हैं जिनके द्वारा पत्तों और गीले कचरे से खाद बनती है जो पेड़ पौधों में डाली जाती है।

प्रत्येक वर्ष महाविद्यालय में दो दिवसीय एथलेटिक मीट का आयोजन किया जाता है। हमारे महाविद्यालय का छात्र अनमोल जैन राष्ट्रीय स्तर की शूटिंग प्रतियोगिताओं में अनेक स्वर्ण पदक जीत कर अंतर्राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बन चुका है। जापान और जर्मनी में आयोजित प्रतियोगिताओं में अनमोल ने व्यक्तिगत स्तर पर रजत और स्वर्ण पदक प्राप्त कर बल्लबगढ़ का ही नहीं देश का भी नाम रोशन किया है। शूटिंग के अतिरिक्त भारोत्तोलन, बेस बॉल, सॉफ्ट बॉल, ताय-क्वान्डो, बॉक्सिंग, जूडो और तीरंदाजी में भी हमारे

महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने अन्तर विश्वविद्यालय, राज्य, राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष स्थान प्राप्त किए हैं। महाविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की आर्थिक सहायता से 30 टारगेट वाली 10M शूटिंग रेंज की स्थापना की जा चुकी है, जिस में खिलाड़ी अभ्यास कर नई बुलटियों को प्राप्त कर रहे हैं।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की तीन इकाइयाँ हैं जिनमें 300 स्वयंसेवक पंजीकृत हैं। ये सभी विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर विशेष योगदान देते हैं और विशिष्ट शिविरों में भाग लेते हैं। हमारे महाविद्यालय की ईकाई-III की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा मलिक एवं स्वयंसेवक मुकुल सेठी को विश्वविद्यालय स्तर पर क्रमशः सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम अधिकारी एवं सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक घोषित किया गया।

महाविद्यालय में एन.सी.सी. की दो इकाइयाँ हैं जिनमें 50 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। कैडेट मेघा ने Pre-RDC-II (10-19 दिसम्बर, 2020 रोपर), कैडेट साक्षी ने एक भारत श्रेष्ठ भारत सप्ताह (12-17 अप्रैल) में भाग लिया है। इस सत्र में 06 कैडेट ने CEE परीक्षा और 06 कैडेट ने BEE परीक्षा उत्तीर्ण की है। महाविद्यालय की एन.सी.सी. इकाइयों के कैडेट्स विभिन्न गतिविधियों के अतिरिक्त समाज में अपना उत्तरदायित्व निभाते रहे हैं।

महाविद्यालय प्राचार्य को हरियाणा के महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा युवा रैंड क्रॉस की विशिष्ट गतिविधियों के लिए रजत पदक द्वारा सम्मानित करने की अधिसूचना जारी की गई। महाविद्यालय की युवा रैंड क्रॉस के अंतर्गत इस सत्र में चार प्रशिक्षण शिविर (पाँच दिवसीय एवं सात दिवसीय) जिला रैंड क्रॉस फरीदाबाद और सेंट जॉन एम्बुलेंस फरीदाबाद के सहयोग से लगाए गए जिनमें अन्य महाविद्यालयों से भी विद्यार्थी प्रतिभागिता करते हैं। युवा रैंड क्रॉस और रैंड रिबन क्लब द्वारा समय-समय पर विद्यार्थियों और स्टाफ के लिए स्वास्थ्य जाँच संबंधी शिविर आयोजित किए जाते हैं। इस वर्ष स्वास्थ्य जाँच संबंधी शिविर रोटरी क्लब फरीदाबाद ग्रेस, क्यू.आर.जी. हेल्थ सिटी फरीदाबाद, फाउंडेशन एगेन्सट थैलेसीमिया और दृष्टि आई सेन्टर के सहयोग से लगाए गए। इसके अंतर्गत किए जाने वाले श्रेष्ठ सराहनीय कार्यों के लिए महाविद्यालय के यूथ रैंड क्रॉस संयोजक डॉ. जयपाल सिंह को माननीय राज्यपाल की ओर से सम्मानित किया गया और उन्हें जिला स्तर पर भी सर्वश्रेष्ठ यूथ रैंड क्रॉस संयोजक घोषित किया गया। महाविद्यालय में युवा रैंड क्रॉस, एन.एस.एस. और रैंड रिबन क्लब के सहयोग से पाँच रक्त दान शिविर इस सत्र में लगाए गए जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक रक्त दान किया। ये शिविर महाविद्यालय में रोटरी क्लब ग्रेस, तेरापंथ युवक परिषद्, लॉयन्स क्लब फरीदाबाद ग्रेटर एवं इंडियन रैंड क्रॉस सोसायटी नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किए गए। महाविद्यालय में यूथ रैंड क्रॉस के अंतर्गत ही छात्राओं के लिए 'एनामिया भगाओ' अभियान चलाया गया जिसमें छात्राओं के रक्त की जाँच कर एनिमिक लड़कियों को Iron Supplements दिए गए।

महाविद्यालय को नवीन एवं नवीकरणी ऊर्जा विभाग एवं हरेडा, हरियाणा सरकार द्वारा राज्य स्तरीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार-2020 से नवाज़ा गया।

महिला प्रकोष्ठ के अंतर्गत छात्राओं के सशक्तिकरण के लिए आत्मरक्षा (Self Defence) Kick Boxing में सर्टिफिकेट कोर्स की नियमित कक्षाएं व अभ्यास भी इस सत्र से निरंतर चल रही हैं और साथ ही बदलते समय के अनुरूप विद्यार्थियों को तैयार करने के लिए फ्रेंच भाषा की कक्षाएं भी महाविद्यालय में आरंभ हो चुकी हैं। महाविद्यालय की छात्राओं ने महर्षि दयानन्द विश्व विद्यालय रोहतक में आयोजित अन्तर्महाविद्यालय किक बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में प्रतिभागिता में भाग लिया।

उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत पाँच गाँव चंदावली, सुनपेड़, मलेरना, सोतई व साहुपुरा गाँवों के सरपंचों के सहयोग से जागरूकता अभियान चलाये जाते हैं। मानव संसाधन भारत सरकार की एक योजना एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत तेलंगाणा राज्य की भाषा, संस्कृति, इतिहास व भूगोल को समझने

के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

इसके अतिरिक्त, स्नातक स्तर के तृतीय वर्ष व परास्नातक स्तर के विद्यार्थियों के भविष्य एवं रोजगार को लेकर महाविद्यालय काफी सचेत रहता है। इसलिए महाविद्यालय में समय-समय पर Placement Drive और Job Fair का आयोजन किया जाता है।

युवा विद्यार्थियों की भावनाओं और विचारों को अभिव्यक्ति प्रदान करने के लिए वार्षिक-पत्रिका "स्रोत" का प्रकाशन किया जाता है तथा महाविद्यालय की सम्पूर्ण गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए "त्रैमासिक समाचार पत्रिका" - (News Letter) भी प्रकाशित की जाती है। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय से दो Journals भी प्रकाशित होते हैं।

प्रत्येक सत्र में महाविद्यालय में विद्यार्थियों और प्राध्यापकों के ज्ञान को गति देने के लिए संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और अतिथि व्याख्यानों का ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम द्वारा आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में इस सत्र में कोरोना महामारी के मद्देनजर कई वेबिनार आयोजित किए गए।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास तथा उच्चतर शिक्षा निदेशालय के सहयोग से हिन्दी विभाग और कला संकाय द्वारा "चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास" विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, 29-31 दिसम्बर, 2019 को आयोजित की गई।

महाविद्यालय में छात्राओं के लिए रोजगार संबंधित प्रशिक्षण विषय पर 4 दिवसीय कार्यशाला संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा के सहयोग से दिशा कार्यक्रम के सौजन्य से आयोजित की गई।

हमारे महाविद्यालय की इन सभी उपलब्धियों का श्रेय विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, कर्मचारी वर्ग और कॉलेज प्रबन्ध समिति के सामूहिक प्रयास को जाता है। इन श्रेष्ठ प्रयासों का अच्छा परिणाम यह हुआ कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की स्वायत्त संस्था "राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC)" ने Third Cycle के लिए महाविद्यालय की विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त श्रेष्ठ उपलब्धियों को देखते हुए 3.57 CGPA प्रदान करते हुए 'A++' ग्रेड प्रदान किया। इसके अतिरिक्त विगत वर्षों में महाविद्यालय की विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त विशिष्ट उपलब्धियों को देखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली ने "कॉलेज विद पोर्टेंशियल फॉर एक्सिलेंस (सी.पी.ई.)" का दर्जा प्रदान किया।

यद्यपि इस सत्र के अंतिम महिनों में कोरोना महामारी (COVID-19) महामारी ने दस्तक दे दी थी और समस्त मानवता पर इसका प्रतिकूल प्रभाव रहा फिर भी महाविद्यालय के प्रबन्ध समिति, शिक्षकों, विद्यार्थियों ने समाज सेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लिया और इसी के तहत मुख्यमंत्री कोरोना रिलिफ फंड में कैबिनेट मंत्री हरियाणा सरकार श्री मूलचंद शर्मा जी के माध्यम से रु. 3,01,000/- की धनराशी जमा की।

कॉलेज के इस विकास एवं प्रगति में अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा कॉलेज प्रबन्ध समिति तथा इसके पदाधिकारियों विशेषतः पूर्व प्रधान लाला रतन सिंह गुप्ता जी, वर्तमान प्रधान श्री देवेन्द्र गुप्ता जी, उपप्रधान श्री वासुदेव गुप्ता जी, महासचिव श्री अमित विजय जी व कोषाध्यक्ष श्री मेहर चन्द मित्तल जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

परम श्रद्धेय स्वर्गीय लाला रतन सिंह गुप्ता जी जिन्होंने लगातार 36 वर्ष तक अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा, बल्लबगढ़ के अध्यक्ष पद को सुशोभित करते हुए शिक्षा-क्षेत्र में समाज-सेवा का जो अनुपम सराहनीय कार्य किया है उसके लिए बल्लबगढ़ समाज हमेशा उनका ऋणी रहेगा। लालाजी का निधन (01-10-2019) सम्पूर्ण अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा परिवार एवं पूरे समाज के लिए एक अपूर्णीय क्षति रहा।

सीढ़ियाँ उनके लिए हैं,
जो छत पर जाना चाहते हैं।
जिन्हें आसमाँ तक जाना है,